# भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर

## कार्य पत्रिका - अर्थग्रहण

**कक्षा - 10**

**नाम** ---------- **अनुक्रमांक** ------ **दिनांक** ... मई २०१५

**नीचे लिखे गद्यांश को पढ़ कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

एक दिन गुरु नानक यात्रा करते-करते भाई लालो नाम के एक बढ़ई के घर ठहरे। उस गाँव का भागो नामक रईस बड़ा मालदार था। उस दिन भागो के घर ब्रह्मभोज था। दूर-दूर से साधु आए हुए थे। गुरु नानक का आगमन सुनकर भागो ने उन्हें भी निमंत्रण भेजा। गुरु ने भागो का अन्न खाने से इंकार कर दिया। इस बात पर भागो को बड़ा क्रोध आया। उसने गुरु नानक को बुलवाया और उनसे पूछा—आप मेरे यहाँ का अन्न क्यों नहीं ग्रहण करते? गुरुदेव ने उत्तर दिया—भागो, अपने घर का हलवा-पूरी ले आओ, तो हम इसका कारण बतला दें। वह हलवा-पूरी लाया, तो गुरु नानक ने लालो के घर से भी उसके मोटे अन्न की रोटी मँगवाई। भागो की हलवा-पूरी उन्होंने एक हाथ में और भाई लालो की मोटी रोटी दूसरे हाथ में लेकर दोनों को जो दबाया, तो एक से लहू टपका और दूसरी से दूध की धारा निकली। बाबा नानक का यही उपदेश हुआ। जो धारा भाई लालो की मोटी रोटी से निकली थी, वही समाज का पालन करने वाली दूध की धारा है, यही धारा शिव जी की जटा से और यही धारा मज़दूरों की उँगलियों से निकलती है।

मज़दूरी करने से हृदय पवित्र होता है; संकल्प दिव्य लोकांतर में विचरते हैं। हाथ की मज़दूरी ही से सच्चे ऐश्वर्य की उन्नति होती है। जापान में मैंने ऐसी कलावती कन्याओं और स्त्रियों को देखा है कि वे रेशम के छोटे-छोटे टुकड़ों को अपनी दस्तकारी की बदौलत हज़ारों की कीमत का बना देती हैं; नाना प्रकार के प्राकृतिक पदार्थों और दृश्यों को अपनी सुई से कपड़े के ऊपर अंकित कर देती हैं। जापान-निवासी कागज़, लकड़ी और पत्थर की बड़ी अच्छी मूर्तियाँ बनाते हैं। करोड़ों रुपये के हाथ के बने हुए जापानी खिलौने विदेशों में बिकते हैं। हाथ की बनी हुई जापानी चीज़ें मशीन से बनी हुई चीज़ों को मात करती हैं। संसार के सब बाज़ारों में उनकी बड़ी माँग रहती है। पश्चिमी देशों के लोग हाथ की बनी हुई जापान की अद्भुत वस्तुओं पर जान देते हैं। एक जापानी तत्त्वज्ञानी का कथन है कि हमारी दस करोड़ उँगलियाँ सारे काम करती हैं।

**(क) गुरु नानक जब लालो के घर पहुँचे तो गाँव में क्या था?** 2

**(ख) भागो को क्रोध क्यों आया और उसने क्या किया?** 2

**(ग) गुरु नानक ने भागो के मन की शंका के समाधान के लिए क्या किया?** 2

**(घ) गुरु जी के द्वारा किए गए इस कर्म का क्या परिणाम हुआ?** 2

**(ङ) मज़दूरी करने से क्या होता है?** 2

**(च) परिच्छेद से एक सर्वनाम तथा एक सार्वनामिक विशेषण का उदाहरण छाँटिए।** 1

**(छ) परिच्छेद का उचित शीर्षक दीजिए।** 1